

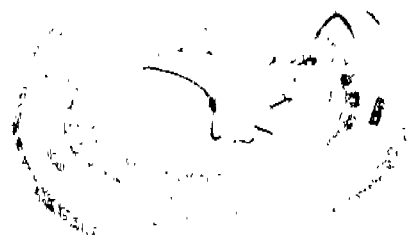


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकरण से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 221]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 8, 1987/वैशाख 18, 1909

No. 221]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 8, 1987/VAISAKHA 18, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

न्यायमूर्ति ठक्कर—नटराजन

जांच आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1987

का. आ. 460(अ):—जबकि केन्द्रीय सरकार ने, संयुक्त राज्य अमेरिका की मैसर्स फेयर फैक्स ग्रुप इन्क. की सेवाओं के उपयोग के प्रश्न के बारे में, जो वाद-विवाद का विषय रहा है और निश्चित ही 1952 के जांच आयोग अधिनियम के धारा 3 के अन्तर्गत सार्वजनिक महत्व का मामला है, निम्नलिखित मामलों अर्थात् मैसर्स फेयर फैक्स ग्रुप इन्क. की सेवाओं के उपयोग से संबंधित घटनाओं और परिस्थितियों, विशेष रूप से निम्नलिखितों की जांच करने के लिए राजपत्र में अधिसूचना संख्या 168 दिनांक 6-4-1987 के तहत एक जांच आयोग नियुक्त किया है :

- (i) क्या फेयर फैक्स ग्रुप इन्क. की सेवाएं उपयोग की गयी थीं ?
- (ii) यदि ऐसा है, तो
 - (क) वह तथ्य और परिस्थितियां जिनके अन्तर्गत इसकी सेवाओं का उपयोग किया गया था ?
 - (ख) इसके कार्य का स्वरूप क्या है ?
 - (ग) किस प्राधिकार के अधीन इसको कार्य पर लगाया गया था ?
 - (घ) किस प्रयोजन के लिए इसे कार्य पर लगाया गया था ?
 - (ङ) किन शर्तों पर इसे कार्य पर लगाया गया था ?
 - (च) क्या यह इस कार्य को करने के लिए मक्षम था जो इसे सौंपा गया था ?

(iii) (क) क्या फेयर फैक्स ग्रुप इन्क. को भुगतान के लिए प्राधिकृत किया गया था ?

(ख) क्या फेयर फैक्स ग्रुप इन्क. को कोई भुगतान किया गया था ?

(ग) यदि ऐसा है, तो किन सेवाओं के लिए ?

(iv) भारत सरकार को फेयर फैक्स ग्रुप इन्क. से क्या सूचना, यदि कोई है तो प्राप्त हुई है ?

(v) भारत सरकार द्वारा फेयर फैक्स ग्रुप इन्क. को क्या सूचना यदि कोई है, उपलब्ध करायी गयी है ?

(vi) क्या ऐसा प्रबन्ध करने में किसी प्रकार से भारत की सुरक्षा को क्षति पहुँची है ?

2. और जबकि आयोग यह आवश्यक समझता है कि विनिश्चित जांच की विषय वस्तु की जानकारी रखने वाले सभी व्यक्तियों को इन विषयों के बारे में अपने बयान आयोग को भेजने के लिए आमंत्रित करता है ;

3. अब इसलिए जांच आयोग (केन्द्रीय) नियम 1972 के नियम 5(2) (ख) के अधीन इस अधिसूचना द्वारा ऐसे सभी व्यक्तियों से अपने लिखित बयान ऐसे दस्तावेजों और सामग्री सहित जो वे प्रस्तुत कर सकते हों, प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करता है ।

4. बयान प्रथम श्रेणी मैजिस्ट्रेट अथवा शपथ लेने के लिए कानूनी रूप से प्राधिकृत किसी अन्य प्राधिकारी के समक्ष दिए जाने चाहिए ;

5. यदि बयान और/अथवा दस्तावेज अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषा में है तो इसे अंग्रेजी में उसके अनुवाद के साथ यथा अधिप्रमाणित करके भेजा जाए ।

6. सभी बयान तथा दस्तावेज की तीन प्रतियां प्रस्तुत की जाएं ।

7. इसके जवाब में दिए गए बयान गोपनीय माने जाएंगे और उनका प्रयोग केवल मौजूद जांच के लिए किया जाएगा ।

8. बयान या तो पंजीकृत डाक/प्राप्ति सूचना द्वारा अथवा प्रातः 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे के मध्य सभी केन्द्रीय सरकार के कार्य दिवसों पर स्वयं लिखित प्राप्ति सूचना के अधीन सचिव को व्यक्तिगत रूप में निम्नलिखित पते पर 18 मई, 1987 तक भेज सकते हैं/दे सकते हैं ।

सचिव,

न्यायमूर्ति ठक्कर-नटाराजन आयोग,

15, मफदरजंग रोड,

नई दिल्ली-110011.

आयोग के आदेशों के

अधीन

नई दिल्ली,

ह./-

25 अप्रैल, 1987

(पी. बी. रमण राय)

सचिव, आयोग

JUSTICES THAKKAR-NATARAJAN COMMISSION OF INQUIRY

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th April, 1987

S.O. 460(E).—Whereas the Central Government has appointed a Commission of Inquiry vide Notification in Gazette No. 168 dated 6th April, 1987 in regard to the question of utilising M/s. Fairfax Group Inc. of USA, which has been the subject-matter of debate and is a definite matter of public importance under Section 3 of the Commissions of Inquiry Act of 1952 to inquire into the following matters viz. the events and circumstances pertaining to the utilisation of M/s. Fairfax Group Inc. and in particular :

(i) Was the Fairfax Group Inc. engaged ?

(ii) If so,

(a) The facts and circumstances under which it was engaged.

(b) What is the nature of the engagement ?

(c) Under whose authority was it engaged ?

(d) For what purpose was it engaged ?

(e) On what terms and conditions was it engaged ?

(f) Was it competent to carry out the task that was entrusted to it ?

(iii) (a) Was any payment authorised to be made to the Fairfax Group Inc. ?

(b) Was any payment made to the Fairfax Group Inc. ?

(c) If so, for what services ?

(iv) What information, if any, has the Government of India received from the Fairfax Group Inc. ?

(v) What information, if any, has been made available by the Government of India to the Fairfax Group Inc. ?

(vi) Was the security of India prejudiced in any manner in making such arrangements ?

(2) And whereas the Commission deems it necessary to invite all persons acquainted with the subject-matter of the Inquiry specified above, to furnish to the Commission their statements relating thereto;

(3) Now, therefore, the Commission invites all such persons by this Notification under Rule 5(2)(b) of the Commissions of Inquiry (Central) Rules, 1972 to submit their written statements along with such documents and materials as they can produce.

(4) The statements shall be sworn before a Magistrate of the First Class or other authority legally empowered to administer oath.

(5) In case the statement and/or document is in a language other than English, it shall be accompanied by a duly authenticated translation thereof in English.

(6) All statements and documents shall be submitted in triplicate.

(7) Statements made in response hereto will be treated as confidential and will be used only for the purposes of the present inquiry.

(8) Statements may be sent latest by 18th May, 1987 to the following address either by Registered Post/Ack. Due or personally handed over to the Secretary under his written acknowledgment, on all

Central Government Working days between 10.00 A.M. and 5.00 P.M.

The Secretary
Justices Thakkar-Natarajan
Commission
15, Safdarjang Road,
New Delhi-110011.

Under Orders of the
Commission

Sd/-

P. V. RAMANA RAO, Secy.
to the Commission

New Delhi.

April 25, 1987.

